ANANADAM PROJECT (JOY OF GIVING)

- **Title of the Best Practice:-** Joy of Giving: Aanandam Project

- **Objectives of the Practice:-**

  - To instil the joy of giving and sharing in youth through active participation in community service.
  - To nurture a sense of humility, empathy and thoughtfulness to be the initiators of change for a happy and healthy society.

- **The Context: -**

  - Committed for the holistic growth of its students, the vibrant team of college faculty members used this project as a platform to connect with the newly- admitted students, to counsel them to revive life back to normal from the pain and panic of the Pandemic.
  - It has been the need of the time to mentor the students to prepare them to explore new ways of bringing meaning and pleasure into their lives and the life of community at large.
  - Initially, the project has been introduced with a well-structured action-plan by the Commissionerate of College Education as a mandatory credit-based course for the student of First Year at UG and PG Programs with the noble mission to inculcate the spirit of care and compassion amongst youth. But the Commissionerate and the parent university could not implement the project as planned due to the second-wave of Corona.

- **The Practice:-**

  - The principal constituted a committee headed by a senior faculty member with 20 mentors for UG Part-I and 21 for PG (Previous). At initial stage, the project began with UG classes. Every mentor for UG Part-I was allotted with 48 students who were contacted through WhatsApp group.

  - The practice for encouraging the students to be empathetic towards their surroundings for the betterment of society was executed through three types of activities:

(1) Individual daily act of kindness with its proper diary entry
(2) Group project based on the issues of social interest.
(3) Monthly interactive online/offline session as "Aanandam Diwas" to share experiences and plan for group activities.

- The activities performed by the students can be categorized as-

1. Health and Hygiene Awareness: Awareness about personal hygiene to the school-children
2. Corona Awareness: Awareness about protective measures, and distribution of masks made by the students
3. Plantation and Cleanliness Campaign: In the campus and nearby schools
4. Donation Banks for the Needy: Donation of food, clothes and medicine
5. Gender Sensitization and Literacy Awareness Campaigns
6. Animal and Bird Care: Care of injured animals, arranging Clay pots "Prindas" and iron boxes on trees for providing water and food grains to the Birds
7. Energy Conservation: Save Water, Save Electricity Campaign
8. Preservation of Folk Arts: 'Mandna' Art and Folk songs

- Each group of the students prepared a project synopsis for the group-activity and worked accordingly. After the completion of the activities, each group prepared a well-framed project report and submitted the same to the mentor of the group.

➢ **Evidence of Success:-**

- The letters of appreciation received from the distinguished persons of the localities where the student worked, written records of the students' positive responses along with photographs, videos and news clips tell the success story of this project which has been meant for encouraging the students to work for a healthy and happy life on earth.
- The students compassionately interacted with the school-children or the children of the displaced labourers, deprived starving people on footpath, to spread the message of awareness about Corona, cleanliness, Education and environment -protection as well as donated food, medicine, and clothes to the needy; stationery to the needy school-children .

➢ Problems Encountered and Resources Required: -

- Most of the students belong to nearby villages so they find it difficult to select one area for their group projects. Due to the connectivity and commuting issues, the students who want to work in the slums in the city or in the nearby villages had to shift the place for their target projects to the schools located near the college.
- For the success and active involvement of big number of such students some special measures should be taken to make students continue with such projects without any disturbance in their academic activities.
- It has been felt that the students working on one project together can be asked to plan their activities in group but it would be convenient for them if they perform them individually or in pairs at different locations.

➢ Conclusion: -

- No doubt such practices should be followed for the value-based holistic growth of the youth. The students should be prepared and encouraged to work on such projects voluntarily, to work with compassion for the needy people especially during some unprecedented calamity.
- The projects like Aanandam can be implemented as a part of NSS Action-plan for the special camps.

Aanandam Project:2020-2021

The dedicated efforts of the students speaking through the letters of appreciation, News-clips and photos.

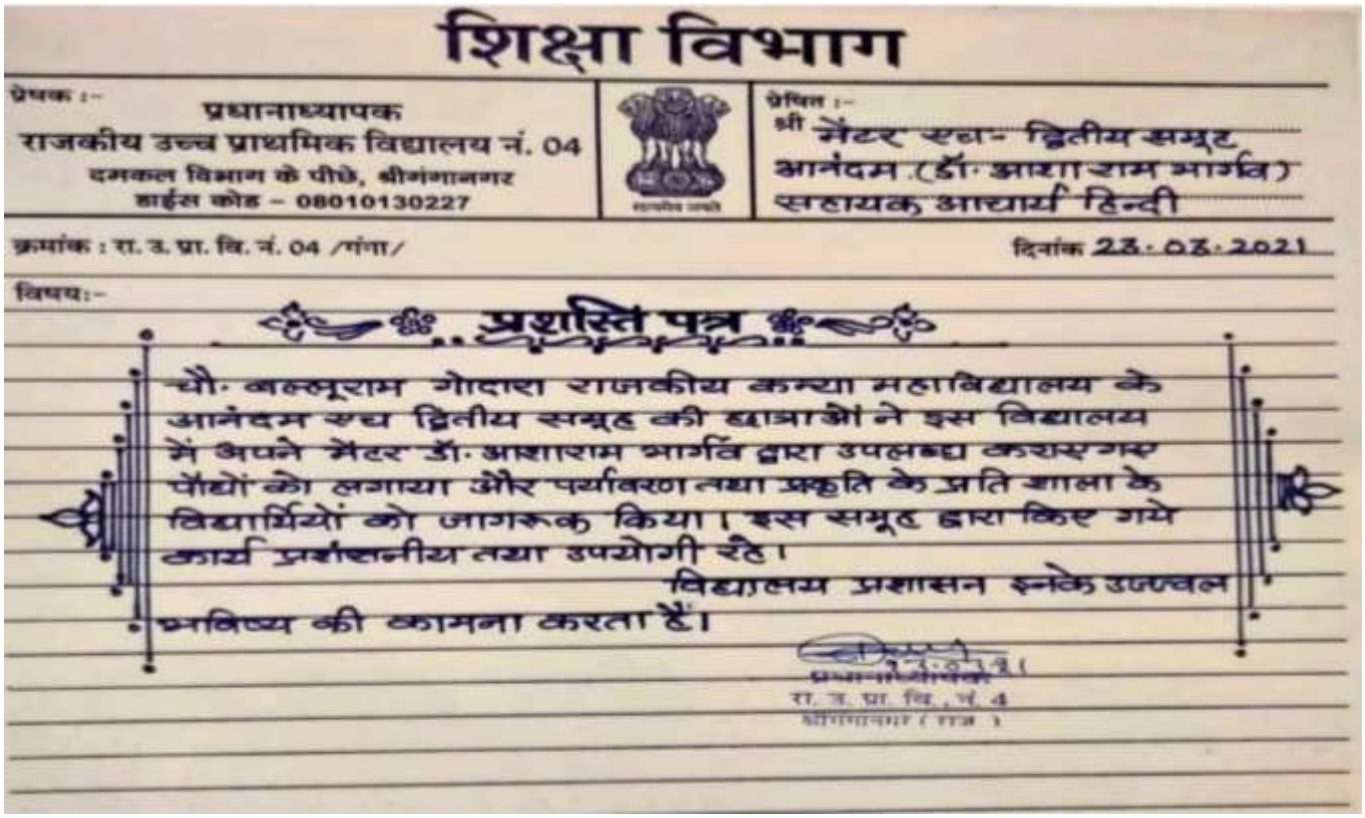

शिक्षा विभाग

प्रेषक :-
प्रधानाध्यापक
राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं. 04
दमकल विभाग के पीछे, श्रीगंगानगर
डाईस कोड – 08010130227

प्रेषित :-
श्री मेंटर एवं द्वितीय समूह
आनंदम (डॉ. आशाराम भार्गव)
सहायक आचार्य हिन्दी

क्रमांक : रा. उ. प्रा. वि. नं. 04 /गंगा/ दिनांक 23.03.2021

विषय:-

प्रशस्ति पत्र

चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय के आनंदम रुप द्वितीय समूह की छात्राओं ने इस विद्यालय में अपने मेंटर डॉ. आशाराम भार्गव द्वारा उपलब्ध कराए गए पौधों को लगाया और पर्यावरण तथा प्रकृति के प्रति शाला के विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस समूह द्वारा किए गये कार्य प्रशंसनीय तथा उपयोगी रहे।

विद्यालय प्रशासन इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हैं।

प्रधानाध्यापक
रा. उ. प्रा. वि. नं. 4
श्रीगंगानगर (राज.)

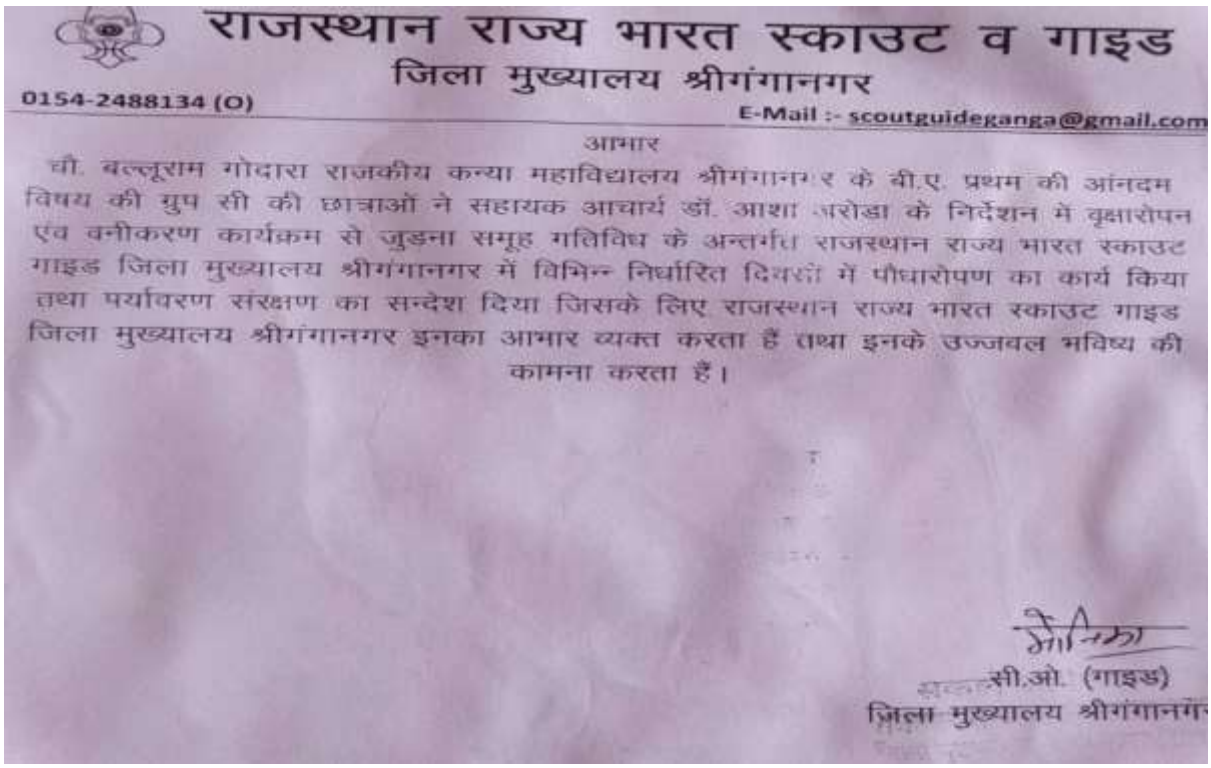

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड
जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर
0154-2488134 (O) E-Mail :- scoutguideganga@gmail.com

आभार

चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर के बी.ए. प्रथम की आनंदम विषय की ग्रुप सी की छात्राओं ने सहायक आचार्य डॉ. आशा जरोड़ा के निर्देशन में वृक्षारोपन एवं वनीकरण कार्यक्रम से जुड़ना समूह गतिविधि के अन्तर्गत राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर में विभिन्न निर्धारित दिवसों में पौधारोपण का कार्य किया तथा पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया जिसके लिए राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर इनका आभार व्यक्त करता हैं तथा इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हैं।

सी.ओ. (गाइड)
जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर

अनूप सिंह बाजवा
(एडवोकेट)
पार्षद, वार्ड नं. 2
नगर परिषद्, श्रीगंगानगर
महासचिव
जिला कांग्रेस कमेटी श्रीगंगानगर

बाजवा फार्म हाऊस
जे.सी.टी. मिल के सामने
वार्ड नं. 2, करणपुर रोड, श्रीगंगानगर
मो. : 96494-00003, 94140-87601

क्रमांक : 110/21

दिनांक : 18.3.21

प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि चौधरी बल्लू राम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय की बी. ए . प्रथम वर्ष की आनंदम बी -2 ग्रुप की छात्राओं ने अपनी मेंटर डॉ. किरणदीप के निर्देशन में कोरोना जागरूकता [redacted] समूह परियोजना के लिए वार्ड नंबर -2 देवनगर के बाल मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय व आसपास के क्षेत्र में लोगों से संपर्क कर कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचाव हेतु सुरक्षित सामाजिक दूरी एवं मास्क पहनने संबंधी सावधानियां अपनाने के लिए जागरूक किया। छात्राओं ने मोहल्ले में आमजन को हस्त निर्मित मास्क वितरण किये तथा कोरोना से बचाव हेतु सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए चार्ट व पोस्टर के माध्यम से प्रेरित किया।

छात्राओं द्वारा कोरोना जागरूकता [redacted] चेतना परियोजना के अंतर्गत किए गए कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है ।

मैं आनंदम बी-2 समूह की सभी छात्राओं के द्वारा भविष्य में भी इस तरह की सामुदायिक कल्याण से संबंधित परियोजनाओं से जुड़े रहने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

अनूप सिंह बाजवा
पार्षद वार्ड नं.02
नगर परिषद्, श्रीगंगानगर

स्वैच्छिक दुनिया
समाचार
3

चौधरी बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रमआयोजन किया गया

चौधरी बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर, राजस्थान की एम ए पूर्वार्ध हिन्दी ग्रुप 2 की छात्राओं ने 'आनंदम 2020-21" कार्यक्रम के अंतर्गत प्राचार्य श्री मती मंजु गोयल, नोडल अधिकारी डॉ रजनी शर्मा व मेंटर डॉ बबीता काजल के नेतृत्व व निर्देशानुसार तीन प्रोजेक्ट पर कार्य करते हुए ईंट भट्टा मजदूरों के बच्चों को साक्षरता, शिक्षा के लिए जागरूकता, कोरोना बचाव हेतु जागरूकता का कार्य उत्साह के साथ किया। गांव पांच बी, श्रीगंगानगर में विद्यमान ईंट भट्टा मजदूरों के बच्चों को साक्षर करने, स्कूली शिक्षा हेतु जागरूक करने व कोरोना बचाव के उपाय अपनाने के लिए जागरूक करने के परियोजना कार्य को महाविद्यालय की छात्राओं ने पारी निष्ठा व लगन से सफल बनाया। पूनम सुथार, पूजा, प्रमिला, रचना, रमनदीप कौर, प्रियंका, रेणुबाला, रेनु संदीप, संतोष, शिखा मिश्रा, एकता आदि छात्राओं ने बच्चों को अक्षर ज्ञान करवाया, अक्षर पहचान करवाई, लिखना सिखाया, शिक्षा के प्रति जागरूक किया, स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने बच्चो को कॉपी, पेंसिल, रबड़, स्लेट, चाक आदि बांटकर वहीं पर उनसे अक्षरों का लिखित अभ्यास भी करवाया। हाथ से बनाए गए विभिन्न आकर्षक चार्टों ने इस कार्य को बच्चों के लिए रुचिपूर्ण व आसान बना दिया। आनंदम ग्रुप की मेंटर डॉ बबीता काजल ने बच्चों को लगातार अक्षर लिखने के अभ्यास हेतु प्रेरित किया। कुमारी सुखवीर कौर के साथ उनके ग्रुप की छात्राओं शिल्पा,सुंदर पाल, सुनीता, तन्निषा, योगिता शर्मा ने भट्टे पर उपस्थित मजदूरों को मास्क बांटे, पोस्टर लगाए और बातचीत करके कोरोना से बचाव के उपाय बताए।गांव 5 बी का दौरा करते हुए छात्राओं ने लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक व सावधान रहने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित सभी छात्राओं ने बहुत उत्साह व लगन के साथ ईंट भट्टे पर काम करने

वाले मजदूर श्रमिक कामगारों के साथ गांव में आनंद सहित इस कार्य को किया।इन परियोजना कार्यों को सफल बनाने के उद्देश्य से छात्राएं ईंट भट्टे पर काम करने वाले मजदूरों व उनके बच्चों के साथ साथ गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों व गांव के निवासियों से भी मिली और उन्हें सहयोग के लिए आग्रह किया। गांव के सभी लोगों व राजकीय विद्यालय के शिक्षकों ने भी सहयोग किया -डॉ बबीता काजल एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग चौ बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर, राजस्थान।

गोदारा महाविद्यालय की छात्राओं ने नेहरू पार्क में किया श्रमदान

दैनिक भास्कर 03 फरवरी 2021
पेज -15

को लोककला, चित्रकला, पेंटिंग जैसे रचनात्मक
जोड़ना।

आनन्दम

Healthy Girl
Healthy Society
Anandam Group
(2)

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नं2

राजकीय उच्च प्रा. विद्यालय न4. श्रीगंगानगर

चौ. बल्लू राम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय ,श्रीगंगानगर

सत्र 2020-2021

समूह परियोजना रूपरेखा

आनंदम समूह : B-3

"स्वच्छ समाज स्वस्थ समाज" बाल चेतना समूह परियोजना

मेंटर

डॉ. किरण दीप
सह आचार्य (अंग्रेजी)

ग्रुप लीडर

अन्नू रानी
बी.ए.भाग -प्रथम

समूह :- B-3

प्रारूप संख्या 1

आनंदम के तहत परियोजना की रूपरेखा का प्रारूप

1. कॉलेज / विभाग / विश्वविद्यालय का नाम : चौ० बल्लूराम गोदारा राज० कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
2. कॉलेज का समर्पित 'आनंदम' जीमेल आई डी : anandambrcg@gmail.com
3. परियोजना का शीर्षक : "स्वच्छ समाज स्वस्थ समाज" बाल-चेतना परियोजना।
4. सामुदायिक सेवा का स्थान : बालमंदिर उ०प्रा० विद्यालय व उसके आस-पास बस्ती में वार्ड नं 2 श्रीगंगानगर
5. मेंटर का नाम : डा० किरण दीप
6. कक्षा / सेमेस्टर : बी० ए० भाग - प्रथम
7. प्रतिभागियों का विवरण :

क्र. सं.	प्रतिभागियों का नाम	संपर्क विवरण	हस्ताक्षर
1.	ANNU RANI	8949846741	Annu Rani
2.	DEEPAKSHI	7357030138	Deepakshi
3.	DIVYA	7877083503	Divya
4.	CHEENU BALA	9610169933	Cheenubala
5.	JYOTI / VINOD KUMAR	9784506188	ज्योति
6.	CHANDNI	7426007723	Chandni
7.	BHAWANA	6350916146	भावना
8.	ANJALI/NARENDER VERMA	9772577404	Anjali
9	KALPNA VERMA	7877795479	Kalpna Verma
10.	LAVISHA	9929364434	
11.	DURGA	8690544753	
12	KAJAL	9352019021	

किरण दीप

मेंटर के हस्ताक्षर

TOPIC DATE .....

"स्वच्छ समाज स्वस्थ समाज"
बाल - चेतना परियोजना

1. परिचय →

आंनदम एक नया विषय है जिसे वर्तमान सत्र (2020-21) स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध के पाठ्यक्रम में सामुदायिक सेवा के कार्यो में प्रत्येक छात्र को संलग्न करने के उद्देश्य से प्राप्त किया है। यह सामुदायिक परियोजना आंनदम की भावना को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है।

बी. ए. प्रथम वर्ष आंनदम ग्रुप B-3 की छात्राएँ वर्तमान सत्र (2020-21) में "स्वच्छ समाज स्वस्थ समाज" बाल - चेतना परियोजना पर एक साथ काम करेगी। जिसका उद्देश्य स्वस्थ रहने को लेकर, स्वच्छता के प्रति उदासीन बच्चों को जागरूक करना है। समूह परियोजना को ध्यान में रखते हुए बच्चों का चयन किया गया है। बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागृति पैदा कर हम एक स्वस्थ भविष्य को मानव समाज के लिए सुरक्षित कर सकते हैं।

STAR WHITE INSPIRATION

TOPIC DATE .....

2. परियोजना के उद्देश्य →

1. बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं शारीरिक स्वच्छता का महत्व बताना।
2. इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता सिखाना, भोजन व जल की स्वच्छता और शौचालय की आदतों को प्रेरित करना है।
3. बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना जिसमें उन्हें बीमारियों से बचाना है क्योंकि ज्यादातर बीमारियाँ गंदगी के कारण फैलती हैं।

3. कार्य का चिन्हित क्षेत्र →

श्री गंगानगर वार्ड नं: 2 देवनगर में बाल मन्दिर उच्च प्राथमिक विद्यालय व उसके आस-पास का क्षेत्र।

4. लक्षित लाभार्थी →

चिन्हित क्षेत्र के चयनित बच्चें।

5. अपनायी जानी वाली पद्धति व प्रक्रिया का विवरण

1. छात्रा समूह स्थानीय पार्षद के परामर्शानुसार परियोजना के लिए बच्चों का चयन करेगा।

TOPIC DATE .....

2 छात्राओं का समूह 33 छात्राओं के छोटे-समूहों में बंटकर कार्य करेगा। प्रत्येक समूह 10-15 चयनित बच्चों से सम्पर्क करेगा।

3. प्रत्येक छात्रा समूह सप्ताह में एक दिन लगभग आधा घंटा चयनित बच्चों के साथ बातचीत करेगा।

4. स्वच्छता एवं ~~स्वास्थ्य~~ स्वास्थ्य आधारित बाल-चेतना कार्यक्रम में मुख्य गतिविधियाँ निम्नानुसार होगी :-

I स्वच्छता से सम्बन्धित चार्ट एवं पोस्टर बनाना।

II बच्चों को हाथों की स्वच्छता के बारे में बताते हुए हाथ धोना एवं नाखुन काटना सिखाना।

III बच्चों को स्वच्छता के बारें में प्रेरक कहानियाँ एवं कविताएँ सुनाना एवं समझाना।

IV सब मिलकर स्कूल के शौचालय साफ रखने की योजना पर काम करना एवं बच्चों को समझाना।

V बच्चों के लिए स्वच्छता से सम्बन्धित विषय पर क्विज आयोजित करना एवं बच्चों द्वारा बताये गए उत्तर को सहारना।

VI विद्यालय में कचरा पात्र रखवाना।

STAR WHITE

TOPIC DATE

6. गैर सरकारी एवं सरकारी निकायों द्वारा सहयोग →

चयनित क्षेत्र वार्ड नं 2 के पार्षद श्री अनुपसिंह बाजता के सहयोग व परामर्श से परियोजना कार्य किया जाएगा।

छात्रा - समूह के हस्ताक्षर →

क्र.स.	सामूहिक परियोजना में सम्मिलित छात्रा का नाम	छात्रा के हस्ताक्षर
1	अन्नु रानी	Annu Rani
2	अंजली	Anjali
3	दीपाक्षी	Deepakshi
4	चीनुबाला	Cheenu bala
5	ज्योति	ज्योति
6	भावना	भावना
7	चाँदनी	Chandni
8	कल्पना वर्मा	Kalpna Verma
9	दिव्या	Divya choudhary

STAR WHITE INSPIRATION